7. साहित्यदर्पण के अनुसार आनन्त्यदोष एवं व्यभिचारदोष में क्या अन्तर है ?

8. भामह के अनुसार काव्य के स्वरूप को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

9. 'पुत्रीयति' धातुरूप की रूपसिद्धि कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. महाकवि विश्वनाथ के अनुसार रस की परिभाषा देते हुए रसास्वाद की विशद समीक्षा कीजिए।

11. साहित्यदर्पण के अनुसार लक्षणा शब्द-शक्ति का वर्णन कीजिए।

12. औचित्य सम्प्रदाय के उद्‌भव एवं विकास का विशद वर्णन कीजिए।

13. आचार्य भामह के अनुसार काव्य के भेदों की विवेचना कीजिए।

MASA–04

December – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

Paper : MASA-04

*Time : **3** Hours]* *[Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) साहित्यदर्पण के अनुसार संकेत ग्रहण किसमें होता है ?

   (ii) व्यंजना शब्द-शक्ति का लक्षण लिखिए।

   (iii) साहित्यदर्पण के अनुसार अनुभाव किसे कहते हैं ?

   (iv) नाट्यशास्त्र के अनुसार धर्मी कितने प्रकार के होते हैं ?

(v) रुद्रट किस सम्प्रदाय से सम्बद्ध आचार्य हैं ?

(vi) आचार्य कुन्तक ने वक्रोक्ति के कितने भेदों की चर्चा की है ?

(vii) वामन के अनुसार रीति किसे कहते हैं ?

(viii) अभिव्यक्तिवाद के प्रवर्तक आचार्य का नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अनेकार्थस्य शब्दस्य संयोगाद्यैर्नियन्त्रिते।

एकत्रार्थेऽन्यधीहेतुर्व्यञ्जना साऽभिधाश्रया॥

अथवा

(ब) परस्य न परस्येति ममेति न ममेति च।

तदास्वादे विभावादेः परिच्छेदो न विद्यते॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) या सत्त्ववेनेह गुणेन युक्ता न्याय्येन वृत्तेन समन्विता च।

हर्षोत्कटा संहतशोकभावा सा सात्वती नाम भवेत्तु वृत्तिः॥

अथवा

(ब) इह प्रेक्षागृहं दृष्ट्वा धीमता विश्वकर्मणा।

त्रिविधः संनिवेशश्च शास्त्रतः परिकल्पितः॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) शब्दश्छन्दोऽभिधानार्था इतिहासाश्रयाः कथाः।

लोको युक्तिः कलाश्चेति मन्तव्याः काव्यहेतवः॥

अथवा

(ब) वृत्तं देवादि चरितशंसि चोत्पाद्यवस्तु च।

कलाशस्त्राश्रयञ्चेति चतुर्धा भिद्यते पुनः॥

5. नाट्योत्पत्ति विषयक दिव्य उत्पत्तिवाद को समझाइए।

6. नाट्यशास्त्र के अनुसार त्रिविधि सन्निवेश पर टिप्पणी कीजिए।